ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 262-264

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

कला तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

1. दीपक दीक्षित
2. डॉ0 नन्द लाल मिश्रा

1. शोध अध्येता– शिक्षा शास्त्र विभाग, 2. अधिष्ठाता कला संकाय, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, (म0प्र0), भारत

Received-12.12.2023, Revised-18.12.2023, Accepted-22.12.2023 E-mail: drkddj@gmail.com

सारांशः ***प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य कला तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इस उद्देश्य से 300 कला समूह तथा 300 विज्ञान समूह बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों पर 'शिक्षक अभिवृत्ति सूची' द्वारा डॉ0 एस.पी. अहलूवालिया को प्रशासित किया गया। प्राप्त आँकड़ों के आधार पर मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, कान्तिक अनुपात की गणना की गई। प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष रूप में ज्ञात हुआ कि कला समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति सार्थक रुप से उच्च धनात्मक प्राप्त हुई।***

कुंजीभूत शब्द– शिक्षण अभिवृत्ति, अभिवृत्ति, मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, कान्तिक अनुपात, अभिवृत्ति सार्थक, उच्च धनात्मक।

आज के युग में शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है बी.एड. प्रशिक्षणार्थी को उच्चकोटि का दर्जा दिया गया है। शिक्षा ने ही मानव को आज ऊँचाइयों की श्रृंखला को छूने के अवसर प्रदान किये है। शिक्षा, बी.एड. प्रशिक्षणार्थी के माध्यम से ही विद्यार्थियों तक पहुंचती है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी ही वह माध्यम है जो छात्रों की आंतरिक शक्तियों को विकसित कर एक उत्तम प्राणी बनाता है। दूसरे शब्दों मे हमें कहना चाहिये कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थी ही छात्रों का सर्वांगीण विकास करता है तथा वह छात्रों को सही गलत में भेद करना सिखाता है। आज मानव समाज मानव राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय भावनाएँ, रहन–सहन, सोचने विचारने का ढंग, छात्रों के उत्थान आदि के विषय में एक बी.एड. प्रशिक्षणार्थी जितना ज्यादा सोच सकता है उतना कोई और नहीं। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी का पहला कर्त्तव्य यह होता है कि वह छात्रों को हर विषय में पारंगत करके उन्हें भविष्य में एक उत्तम नागरिक बनाये। एक आदर्श चरित्रवान बी.एड. प्रशिक्षणार्थी द्वारा ही शिक्षा सरलता व सफलता पूर्वक दी जा सकती है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी में सामान्य व्यक्ति के गुणों जैसे–ईमानदारी, वाक्चातुर्य योग्यता, व्यवहार, कुशलता, समस्या समाधान के गुण आदि होने ही चाहिये। इसके बाद बी.एड. प्रशिक्षणार्थी में कुछ योग्यताएँ ऐसी होनी चाहिये, जो उसे अच्छे बी.एड. प्रशिक्षणार्थी की श्रेणी में खड़ा कर सकें। सर्वप्रथम बी.एड. प्रशिक्षणार्थी स्वयं में चरित्रवान आदर्श व्यक्ति हो। उसके व्यवसाय से संबंधित गुणों में उसे अपने विषय का पूर्ण ज्ञान हो एवं वह नये की प्राप्ति में रूचि रखता हो। उसे मनोवैज्ञानिक विधियों का ज्ञान भी होना चाहिये जिससे छात्र उत्सुक होकर पाठ को सीखें।

एक बी.एड. प्रशिक्षणार्थी का व्यक्तित्व प्रभावशाली होना चाहिये, जिसका अनुकरण छात्रों को भी अच्छा नागरिक बनने को प्रेरित करता है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी में अनुसंधान कार्यो को करने में रूचि होना चाहिये, जिससे वह कुछ नया करता रहे। इससे मस्तिष्क भी सक्रिय रहता है। उसे शिक्षण की विभिन्न विधियों का ज्ञान होना भी अनिवार्य है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी छात्रों के व्यक्तित्व का सभी प्रकार से विकास में सहायक हो। विषय के अतिरिक्त वह छात्रों को सामान्य ज्ञान, देश के महापुरूषों व त्योहारों रीति रिवाजों, हमारी संस्कृति आदि का ज्ञान कराकर एक उत्तम भावी नागरिक का निर्माण करें।

सम्बन्धित अध्ययन– गोयल (2013) ने शिक्षकों की अभिवृत्ति व्यवसाय संतुष्टि एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन में पाया कि शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की अभिवृत्ति भावनात्मक रूप से उच्च पाई गयी। पाठक एवं पाण्डेय (2015) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृति एवं मूल्यों के अध्ययन में पाया कि पुरूष शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है। महिला शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

रानी (2016) ने भावी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति एवं कुछ सांख्यिकीय चरों से सम्बन्ध के अध्ययन में पाया कि अविवाहित भावी शिक्षकों की तुलना में विवाहित भावी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति पायी गयी। हसरत (2017) ने उच्च प्राथमिक विद्यालयों कें शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन में पाया कि कम अनुभवी शिक्षकों की तुलना में अधिक अनुभवी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति अधिक सकारात्मक थी। जमानियन एवं बहरीनी (2017) ने अपने अध्ययन 'ईरानी ईएफएल शिक्षकों का उनके शिक्षण व्यवसाय के प्रति दृष्टिकोण में पाया कि भावी ईरानी शिक्षकों का शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। शर्मा (2018) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन में पाया कि राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश द्वारा माध्यमिक विद्यालयों में लागू सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में विद्यार्थी शिक्षक प्रक्रिया संबंधी पक्ष में पुरूष एवं महिला शिक्षकों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

उद्देश्य – कला तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शून्य उपकल्पना– कला तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

अनुसंधान विधि– प्रस्तुत अनुसन्धान विधि सर्वेक्षण विधि (Survey Method) पर आधारित है। प्रस्तुत अनुसन्धान का उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

प्रस्तुत अनुसंधान में स्वतन्त्र तथा आश्रित परिवर्तियों का निर्धारण किया गया। अनेकों उद्दीपकों में से जिस उद्दीपक के प्रभाव का अध्ययन अनुसंधानकर्त्ता करना चाहता है उसे स्वतंत्र परिवर्ती कहा जाता है। स्वतंत्र परिवर्ती वह परिवर्ती होता है, जिसे अध्ययनकर्ता प्रत्यक्ष रुप से अथवा चयन द्वारा परिवर्तित करता है तॉकि उसके प्रभाव का व्यवहार अर्थात आश्रित परिवर्ती पर अध्ययन किया

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

जा सके। स्वतंत्र परिवर्ती के प्रभाव के फलस्वरुप प्राणी के व्यवहार में होने वाले परिवर्तन को आश्रित परिवर्ती कहा जाता है। इस प्रकार स्वतन्त्र परिवर्ती पूर्ववर्ती परिवर्ती है, जबकि आश्रित परिवर्ती परिणाम परिवर्ती है।

प्रस्तुत अनुसंधान में स्वतंत्र तथा आश्रित परिवर्ती इस प्रकार है–

स्वतन्त्र परिवर्ती– समूह प्रकार – कला समूह व विज्ञान समूह

आश्रित परिवर्ती– शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति

प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक उपकरण– प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में शोधकर्ता द्वारा अपने उद्देश्यों की सीमा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित मानकीकृत परीक्षण का चयन एवं उपयोग किया गया।

अनुसंधानकर्ता द्वारा डॉ0 एस.पी. अहलूवालिया (पूर्व प्रोफेसर, सागर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0) द्वारा निर्मित 'शिक्षक अभिवृत्ति सूची' (Teacher Attitude Inventory) का उपयोग बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की अभिवृत्ति का मापन हेतु किया गया। प्रस्तुत परीक्षण में निम्नलिखित अध्यापक अभिवृत्ति से सम्बन्धित छह पक्ष हैं–

1. शिक्षण व्यवसाय, 2. कक्षा अध्यापन, 3. बाल केन्द्रित शिक्षण, 4. शैक्षिक प्रक्रिया, 5. विद्यार्थी, 6. अध्यापक

परीक्षण की विश्वसनीयता अर्द्ध–विच्छेदन विधि (Split-half Method) द्वारा 0.88 ज्ञात हुई। परीक्षण की विषय वस्तु वैधता (Content Validity) भी ज्ञात की गई। परीक्षण की अंक गणना अनुकूल (Favorable) तथा प्रतिकूल (Unfavorble) पदों के आधार पर की गई।

प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण– कला समूह तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करने के उद्देश्य से 300 कला समूह तथा 300 विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों पर 'शिक्षक अभिवृत्ति सूची' (Teacher Attitude inventory, TAI) द्वारा डॉ0 अहलूवालिया को प्रशासित किया गया। प्राप्त आँकड़ों के आधार पर मध्यमान (Mean), प्रामाणिक विचलन (Standard Deviation) तथा सार्थक अन्तर ज्ञात करने के उददेश्य से क्रान्तिक अनुपात (Critical Ration) की गणना की गई। प्राप्त परिणाम तालिका में इस प्रकार प्राप्त हुए–

तालिका : कला समूह तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात

	बी.एड. प्रशिक्षणार्थी				क्रान्तिक अनुपात
	कला समूह N=300		विज्ञान समूह N=300		
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
a. शिक्षण व्यवसाय	33.75	6.47	37.04	5.26	6.85 <0.01
b. कक्षा अध्यापन	30.47	4.73	34.23	4.83	9.64 <0.01
c.बाल केन्द्रित शिक्षण	30.26	4.33	35.18	4.75	13.30<0.01
d. शैक्षिक प्रक्रिया	28.49	4.29	33.56	4.92	13.34<0.01
e. विद्यार्थी	27.40	4.08	32.69	5.06	14.30<0.01
f. अध्यापक	29.88	5.29	33.16	5.77	7.29 <0.01
योग	180.26	12.87	205.85	13.04	24.14<0.01

तालिका का निरीक्षण करने से स्पष्ट है कि विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति (मध्यमान 205. 85) उच्च धनात्मक है जबकि कला समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति (मध्यमान 180.26) तुलनात्मक रूप से निम्न धनात्मक है। इसी प्रकार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के विभिन्न क्षेत्रों–शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति (मध्यमान 37.04), कक्षा अध्यापन (मध्यमान 34.23), बाल केन्द्रित शिक्षण (मध्यमान 35.18), शैक्षिक प्रक्रिया (मध्यमान 33.56), विद्यार्थियों के प्रति अभिवृत्ति (मध्यमान 32.69) तथा अध्यापकों के प्रति अभिवृत्ति (मध्यमान 33.16) उच्च धनात्मक ज्ञात हुई। बार चित्र में उपर्युक्त परिणाम प्रदर्शित हैं।

कला समूह तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात करने के उददेश्य से क्रान्तिक अनुपात (Critical Ratio) की गणना की गई। तालिका 4.07 का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि कला समूह तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर है। क्रान्तिक अनुपात का मान 24.14 प्राप्त हुआ जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। कला समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति 0.01 स्तर पर सार्थक रूप से उच्च धनात्मक रखते हैं। इसी प्रकार कला समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षण व्यवसाय (क्रान्तिक अनुपात 6.85), कक्षा अध्यापन (क्रान्तिक अनुपात 9.64), बाल केन्द्रित शिक्षण (क्रान्तिक अनुपात 13.30), शैक्षिक प्रक्रिया (क्रान्तिक अनुपात 13.34), विद्यार्थियों के प्रति अभिवृत्ति (क्रान्तिक अनुपात 14.30) तथा अध्यापकों के प्रति अभिवृत्ति (क्रान्तिक अनुपात 7.29) में 0.01 स्तर पर सार्थक उच्च धनात्मक अभिवृत्ति रखते हैं।

अतः प्रस्तुत अध्ययन की शून्य उपकल्पना "कला समूह तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।" असत्य सिद्ध होती है। कला समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति–शिक्षण व्यवसाय, कक्षा अध्यापन, बाल केन्द्रित शिक्षण, शैक्षिक प्रक्रिया, विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रति अभिवृत्ति सार्थक रूप से उच्च धनात्मक रखते हैं।

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. पाठक, आर. पी. एवं पाण्डेय अमिता, भारद्वाज (2015). माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृति एवं मूल्यों का अध्ययन. परिप्रेक्ष्य शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक–आर्थिक संदर्भ, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय,नई दिल्ली. वर्ष 22, अंक 2.
2. हसरत, जहाँ (2017); उच्च प्राथमिक विद्यालयों कें शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन The International Journal of Indian Psychology ISSN 2348-5396 (e) | ISSN: 2349-3429 (p) Volume 5, Issue 1, DIP: 18.01.080/ 20170501
3. जमानियन एवं बहरीनी (2017); 'ईरानी ईएफएल शिक्षकों का उनके शिक्षण व्यवसाय के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन International Journal of Education and Psychological Research (IJEPR) Volume 3, Issue 2, March 2017
3. शर्मा, रश्मि (2018) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन International Journal of Science and Research (IJSR) ISSN (Online): 2319-7064 Index Copernicus Value (2018): 6.14 | Impact Factor (2018): 4.438

बार चित्र : कला तथा विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण की प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

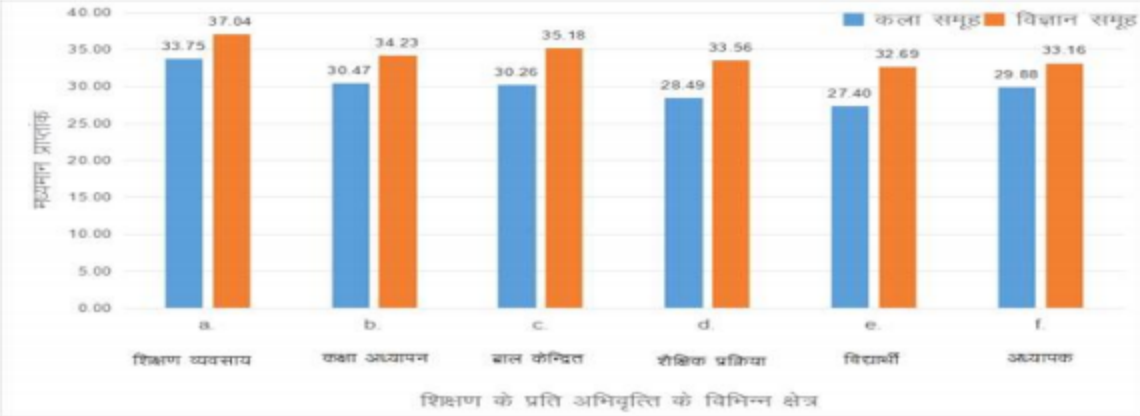

*****